International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों के प्रति शिक्षक प्रशिक्षुओं का दृष्टिकोण

सीमा आर्य[1], प्रो. सीमा धवन[2]

[1]शोधार्थिनी, एच. एन. बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर
[2]एच. एन. बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर

सारांश

डॉ. भीम राव अम्बेडकर बीसवीं सदी के अग्रणीय विचारकों में से एक थे| उनके सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, पर्यावरणीय विचार तार्किक और मानवतावादी दृष्टिकोण पर आधारित थे जिसमें मानवीय गरिमा एवं स्वाभिमान का स्थान सर्वोपरि है| वह उन्होंने शिक्षा को सामाजिक न्याय और समाज में वांछित परिवर्तन लाने के लिए सबसे शक्तिशाली साधन माना| डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचार मानवीय मूल्यों को उच्चतम स्तर तक ले जाने का माध्यम है, जिसमें सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक व पर्यावरणीय, समस्त मानवीय पहलुओं से सम्बन्धित न्याय समाहित है| प्रस्तुत शोध कार्य गुणात्मक विधि पर आधारित है| जिसमें डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचारों के प्रति शिक्षक प्रशिक्षुओं के दृष्टिकोण का अध्ययन किया गया है| शिक्षक प्रशिक्षुओं के दृष्टिकोण के आकलन हेतु स्वनिर्मित उपकरण का निर्माण किया गया है| जिसमें डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचारों से सम्बंधित गूगल फॉर्म प्रश्नावली का प्रयोग करके छात्रों के स्वं आकलन को प्रस्तुत किया गया है|

मुख्य शब्द-- डॉ. भीमराव अम्बेडकर, शिक्षक प्रशिक्षु, शैक्षिक विचार, सामाजिक विचार, आर्थिक विचार. पर्यावरणीय विचार, मानवतावादी दृष्टिकोण, मानवीय मूल्य

प्रस्तावना

डॉ. भीमराव अम्बेडकर अग्रणीय समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद, और उच्चकोटि के चिंतनशील नीति निर्माता, और प्रखर वैश्विक विचारक थे| उनका एक पहलू पर्यावरणीयविद् का भी है, किन्तु भारतीय समाज में पर्यावरणीयविद् के रूप में उतने प्रख्यात नहीं है, जितना कि समाज सुधाकर के रूप

में है| उन्होंने समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय के आधार पर एक नव भारत की नींव रखी, जिससे सम्पूर्ण मानवीय समाज का विकास सम्भव हुआ| डॉ. भीम राव अम्बेडकर का सामाजिक, आर्थिक शैक्षिक, पर्यावरणीय दृष्टिकोण समानता पर आधारित था| वह समाज के वंचित और शोषित, कमजोर वर्ग के लोगों के जीवन स्तर को सकारात्मक रूप से उच्च करने के लिए उन्हें समाज के मुख्य धारा से जोड़ कर उन्हें स्वाभिमानी, निडर और आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे और अपने अधिकारों के प्रति उनमें जागरूकता उत्पन्न करके उन्हें प्राप्त करने में सक्षम बनाती है | डॉ. भीम राव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 में महू में हुआ था| उन्होंने न केवल कानून का अध्ययन किया बल्कि इन विषयों के भी अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास, धर्म, मानव विज्ञान, और अन्य विषयों का गहन अध्ययन किया था| डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने जीवन-पर्यंत समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव, जातिवाद और रूढ़िवादी मानसिकता को समाज से समाप्त करने के लिए संघर्ष किया| वह एक ऐसे समाज की परिकल्पना करते थे जिसमें सम्पूर्ण मानव जाति को समानता की दृष्टि से देखा जाए उनका मानना था कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से ही समग्र समाज को पिछड़ेपन असमानता, और अन्याय से मुक्ति मिल सकती है और भारतीय जनमानस की रूढ़िवादी मानसिकता को प्रगतिशील विचारों में परिवर्तित किया जा सकता है| "सामाजिक परिवर्तन और समानता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा की भूमिका अहम है शिक्षा के द्वारा ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है"(कुमार & कुमार 2021)| डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने हिन्दू सामाजिक व्यवस्था का बहुत गहराई से तार्किक विश्लेषण किया था, एक अर्थशास्त्री के रूप में डॉ. भीम राव अम्बेडकर का मानना था कि आर्थिक असमानता ही सामाजिक असमानता को जन्म देती है, जो सामाजिक विकास के मार्ग पर अवरुद्ध है| उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र के क्षेत्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी| प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा था कि "अर्थशास्त्र में डॉ. भीम राव अम्बेडकर मेरे पिता है"| वर्तमान समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में गरीबी, बेरोजगारी, आय एवं संपति में असमानता अशिक्षा और अकुशल श्रम इत्यादि समस्याएं समाज में व्याप्त है डॉ. भीम राव अम्बेडकर समाज में व्याप्त किसी भी प्रकार के शोषण को रोकने के लिए एक ऐसी आर्थिक प्रणाली चाहते थे जिसमें सरकार का पर्याप्त नियंत्रण और संतुलन हो साथ ही भूमि सुधार सहित सतत् राष्ट्रीय विकास की रक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर की आर्थिक नीतियों का क्रियान्वयन करना चाहते थे| "डॉ. भीम राव अम्बेडकर एक प्रबुद्ध अर्थशास्त्री के साथ-साथ आर्थिक विकास के सन्दर्भ में भविष्य के वक्ता भी थे| उन्होंने आर्थिक समस्याओं के सन्दर्भ में जो विचार और सिद्धांत दिए वो वर्तमान समय में भी प्रासंगिक है| जिन्हें अपनाकर आर्थिक क्षेत्र में सशक्तिकरण के साथ समाज में सामाजिक न्याय एवं समानता स्थापित कर सकते" (इन्दू आसेरी 2016)| डॉ. भीम राव अम्बेडकर को सामाजिक, आर्थिक शैक्षिक कार्यो के परिपेक्ष्य

को देखा जाता है लेकिन उनके पर्यावरणीय विचार भी स्मरणीय है| वह प्राकृतिक संसाधनों की पहुँच को सभी को समान रूप से सुलभ कराने के पक्षधर थे| क्योंकि वह स्वयं अपने जीवन में प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से वंचित रहे इसीलिए उन्होंने 1927 में जल को सभी के लिए सुलभ कराने के लिए महाड़ सत्याग्रह किया| वह प्राकृतिक संसाधनों का मानव जीवन में क्या महत्व है समझते थे क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों जल, भूमि, कृषि, गाँव पर वंचित समुदाय का कोई अधिकार नहीं था, इसीलिए वह सामाजिक आर्थिक, शैक्षिक एवं पर्यावरणीय क्षेत्रों में समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्षधर थे| "न्याय पूर्ण समाज वह है जिसमें परस्पर सम्मान की बढती हुई भावना और अपमान की घटती हुई भावना मिलकर एक करुणा से भरे समाज का निर्माण करें" (डॉ. भीमराव अम्बेडकर) डॉ. भीम राव अम्बेडकर का मानव और प्रकृति के प्रति दृष्टिकोण लोकतांत्रिक संप्रत्यय पर आधारित था| "वह पहले व्यक्ति थे जो पर्यावरणीय संसाधनों के वितरण को लोकतंत्र के सिद्धांत के माध्यम से देखते थे" (रवि कुमार2024)| उन्होंने भारत में आधुनिकता की नींव रखी| वह जॉन डीवी के आधुनिक व्यवहारिक दर्शन और बुद्ध की समानता की शिक्षाओं से व कबीर के मानवीय मूल्यों की शिक्षा से अधिक प्रभावित थे| उनका मानना था कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा के माध्यम से ही भारतीय समाज में उल्लेखनीय परिवर्तन लाये जा सकता है और जीवन के सभी क्षेत्रों में श्रेणीबद्ध असमानता को समानता बदला जा सकता हैं, और उन्नत और समतावादी समाज का निर्माण किया जा सकता है| डॉ. भीम राव अम्बेडकर द्वारा सामाजिक न्याय की जो संकल्पना प्रस्तुत की गयी थी| वह भारतीय समाज में पूर्णरूप से स्वीकृत नहीं की गयी है| वर्तमान समय में समाज में भेदभाव जातिवाद असमानता व्याप्त है| शिक्षा के माध्यम से इन सभी कुरीतियों को समाप्त करके ही सामाजिक न्याय को स्थापित किया जा सकता है (राखी कुशवाह, 2018)| डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने भारतीय संविधान मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उन्होंने हाशिए पर रहने वाले वर्गों एवं महिलाओं के उत्थान के लिए संविधान में विभिन्न प्रावधान किए जिसके द्वारा उन्हें समाज में सकारात्मक अवसर प्रदान हो सकें (सबजार अहमद भट्, 2023)| डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने पर्यावरण को दो श्रेणियों में विभक्त किया पहली श्रेणी बाहरी प्रकृति, व दूसरी श्रेणी सार्वभौमिक प्रकृति से सम्बंधित थी, बाहरी प्रकृति को उन्होंने पृथ्वी की उपयोगी सामग्री, हवा, मिट्टी और पानी के रूप में वर्णित किया और सार्वभौमिक प्रकृति वह है जो की समाज पर हावी थी, जिसमें स्वाभाविकता और प्राकृतिक नियम समाज की संरचना को निर्धारित करते थे,(तेजस्वनी शिंदे 2019)|

शोध उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, एवं पर्यावरणीय विचारों के सन्दर्भ में शिक्षक प्रशिक्षुओं के दृष्टिकोण का अध्ययन करना है |

शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु गुणात्मक विधि का प्रयोग किया गया है | जनसंख्या के रूप में एच. एन. बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं को सम्मिलित किया गया है | न्यादर्श हेतु शिक्षक प्रशिक्षुओं का चयन उद्देश्य पूर्ण विधि द्वारा किया गया है | आकड़ों के संग्रहण हेतु ऑनलाइन गूगल फॉर्म बनाया गया जिसमें भीम राव अम्बेडकर के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, पर्यावरणीय विचारों से सम्बन्धित सात प्रश्नों का निर्माण किया गया है | जिसमें डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचारों के प्रति शिक्षक प्रशिक्षुओं का दृष्टिकोण का अध्ययन करने प्रयास किया गया है| साथ ही यह जानने का प्रयास किया है कि वर्तमान परिपेक्ष्य में शिक्षक प्रशिक्षुओं डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचारों के प्रति क्या दृष्टिकोण रखते है एवं डॉ. भीम राव अम्बेडकर के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, पर्यावरणीय विचारों में से शिक्षक प्रशिक्षुओं की प्राथमिकता को जानने का प्रयास किया गया है| शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को 1 से 10 रेटिंग मापनी में मापा गया है. और अर्द्धसंचरित साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचारों की प्राथमिकता से सम्बन्धित प्रश्नों का निर्माण किया गया है |

परिणाम

प्रश्न 1 -- भीम राव अम्बेडकर से आप कितने परिचित है?

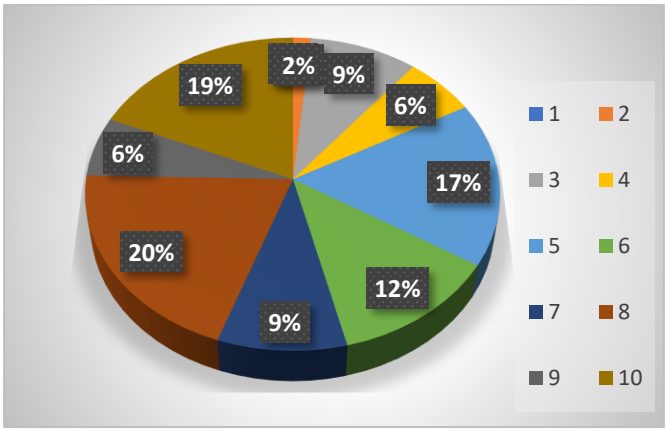

प्रश्न 1 के सन्दर्भ में शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा रेटिंग मापनी 1 में प्रतिक्रिया नहीं दी गयी है| 2% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 2 अंक प्रदान किए गए है, 9% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 3 अंक प्रदान किए गए है| 6% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने स्वयं को 4 अंक प्रदान किए है | 17% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 5 अंक प्रदान किए गए है| 12% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 6 अंक प्रदान किए गए है| 9% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 7 अंक प्रदान किए गए है | 20% शिक्षक प्रशिक्षुओं

द्वारा स्वयं को 8 अंक प्रदान किए गए है | 6% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 9 अंक प्रदान किए गए है| 19% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 10 अंक प्रदान किए गए है |

प्रश्न 2- डॉ. भीम राव अम्बेडकर के शैक्षिक विचारों से आप कितने परिचित है?

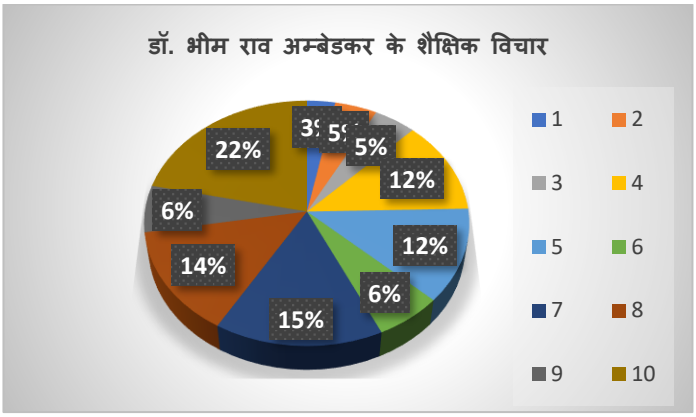

प्रश्न 2 के सन्दर्भ में 2% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 1 अंक प्रदान किए गए है 4% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 2 अंक प्रदान किए गए है | 5% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने स्वयं को 3 अंक प्रदान किए है| 7% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 4 अंक प्रदान किए गए है | 9% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 5 अंक प्रदान किए गए है| 11% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 6 अंक प्रदान किए गए है |13% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 7 अंक प्रदान किए गए है| 15% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 8 अंक प्रदान किए गए है |16% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 9 अंक प्रदान किए गए है| 18% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 10 अंक प्रदान किए गए है|

प्रश्न 3- डॉ. भीम राव अम्बेडकर के सामाजिक विचारों से आप कितने परिचित है?

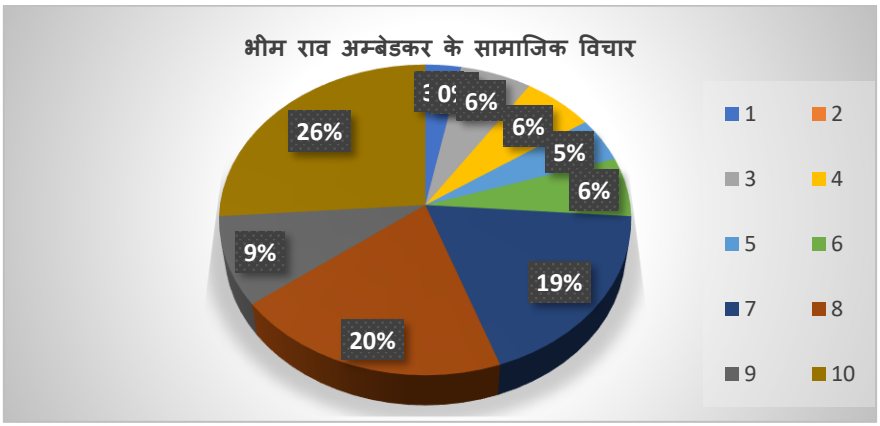

प्रश्न 3 के सन्दर्भ में 3% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 1 अंक प्रदान किए गए है| रेटिंग मापनी 2 में किसी भी शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा प्रतिक्रिया नहीं दी गयी है| 6% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 3 अंक प्रदान किए गए है | 6% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने स्वयं को 4 अंक प्रदान किए है | 5% शिक्षक

प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 5 अंक प्रदान किए गए है 6% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 6 अंक प्रदान किए गए है |19% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 7 अंक प्रदान किए गए है | 20% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 8 अंक प्रदान किए गए है | 9% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 9 अंक प्रदान किए गए है | 26% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 10 अंक प्रदान किए गए है |

प्रश्न 4- डॉ. भीम राव अम्बेडकर के आर्थिक विचारों से आप कितने परिचित है?

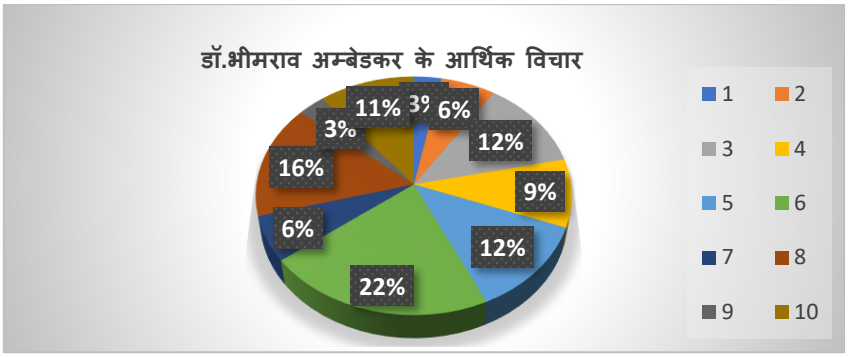

प्रश्न 4 के सन्दर्भ में 3% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 1 अंक प्रदान किए गए है 6% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 2 अंक प्रदान किए गए है| 12% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने स्वयं को 3 अंक प्रदान किए है| 9% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 4 अंक प्रदान किए गए है | 12% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 5 अंक प्रदान किए गए है| 22% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 6 अंक प्रदान किए गए है| 6% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 7 अंक प्रदान किए गए है| 16% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 8 अंक प्रदान किए गए है |3% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 9 अंक प्रदान किए गए है| 11% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 10 अंक प्रदान किए गए है|

प्रश्न 5- डॉ. भीम राव अम्बेडकर के पर्यावरणीय विचारों से आप कितने परिचित है?

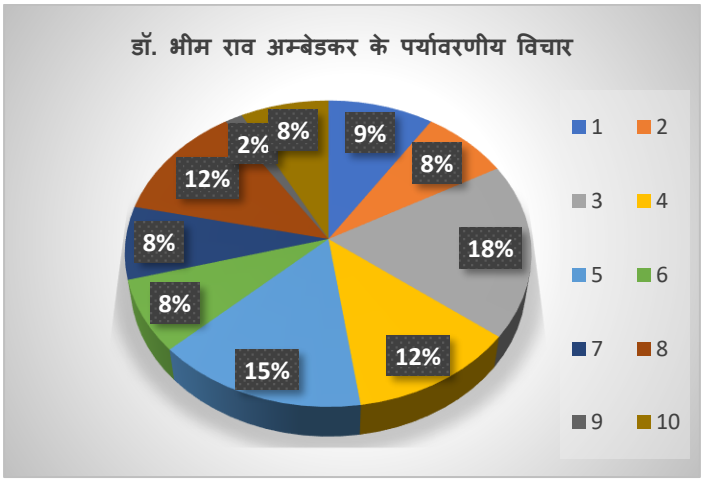

प्रश्न 5 के सन्दर्भ में 9% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 1 अंक प्रदान किए गए है 8% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 2 अंक प्रदान किए गए है| 18% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने स्वयं को 3 अंक प्रदान किए है | 12% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 4 अंक प्रदान किए गए है| 15% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 5 अंक प्रदान किए गए है| 8% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 6 अंक प्रदान किए गए है | 8% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 7 अंक प्रदान किए गए है | 12% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 8 अंक प्रदान किए गए है | 2% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 9 अंक प्रदान किए गए है| 8% शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं को 10 अंक प्रदान किए गए है|

प्रश्न 6- डॉ. भीम राव अम्बेडकर के किन विचारों को आप सर्वाधिक प्राथमिकता देते है?

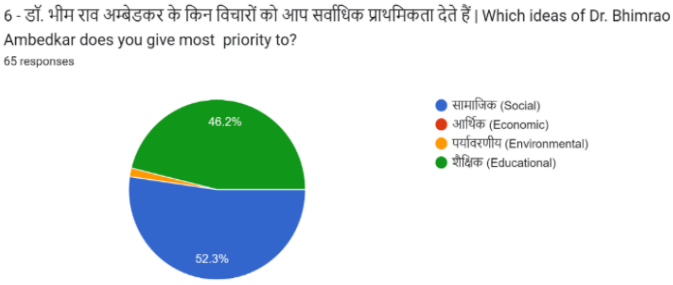

उपरोक्त आरेख 6 से ज्ञात होता है कि शिक्षक प्रशिक्षुओं ने डॉ भीम राव अम्बेडकर के विचारों पर 52.3% सर्वाधिक प्रतिक्रिया उनके सामाजिक विचारों पर दी गयी है | 46.2% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने उनके शैक्षिक विचारों को प्राथमिकता दी है |1.5% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर के पर्यावरणीय विचारों पर प्रतिक्रिया दी है| डॉ भीम राव अम्बेडकर आर्थिक विचारों पर किसी भी शिक्षक प्रशिक्षुओं ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है |

प्रश्न 7- डॉ. भीम राव अम्बेडकर के जिन विचारों को आप सर्वाधिक प्राथमिकता देते है उसके विषय में अपनी राय प्रस्तुत करें |

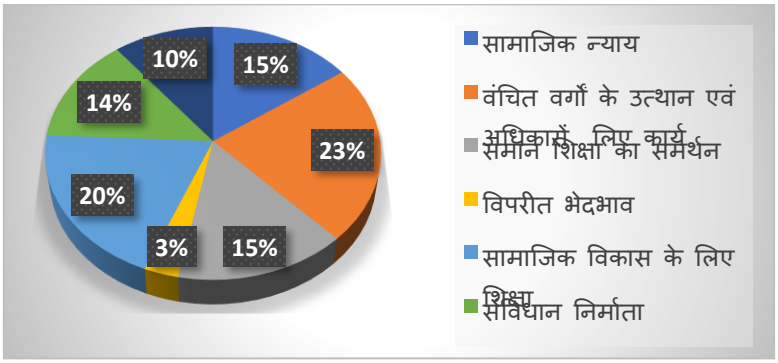

प्रश्न संख्या 7 के सन्दर्भ में शिक्षक प्रशिक्षुओं ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर के सामाजिक एवं शैक्षिक विचारों को अधिक प्राथमिकता दी है| 15% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर के सामाजिक न्याय के प्रणेता के रूप में उन्हें प्राथमिकता दी है| 23% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने उन्हें वंचित वर्गों के उद्धारक के रूप में परिभाषित किया है| 15% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने समान शिक्षा के समर्थक के रूप में अपनी राय दी है| 3% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने विपरीत भेदभाव के रूप में अपनी राय दी है| 20% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर के शैक्षिक विचारों को सामाजिक विकास के साधन के रूप में अपनी राय दी है| 14% शिक्षक प्रशिक्षुओं ने संविधान निर्माता के रूप में उन्हें प्राथमिकता दी है 10% लोगों ने सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में प्राथमिकता दी है|

परिचर्चा

शिक्षक प्रशिक्षुओं के द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया के अनुसार अधिकतम शिक्षक प्रशिक्षु डॉ. भीम राव अम्बेडकर से एवं उनके विचारों से परिचित है| भावी शिक्षकों को डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचारों के विषय में परिचित होना आवश्यक क्योंकि डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचार विकसित भारत के निर्माण में और सतत् विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध हो सकते है| शिक्षक प्रशिक्षु भविष्य के शिक्षक है उनका उन्नत राष्ट्र के निर्माण के लिए की भागीदारी महत्वपूर्ण है| डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचारों के सम्बन्ध में शिक्षक प्रशिक्षुओं ने उनके आर्थिक और पर्यावरणीय विचारों की अपेक्षा सामाजिक विचारों और शैक्षिक विचारों को अधिक प्राथमिकता प्रदान की है| उनके सामाजिक और शैक्षिक विचारों एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आये है| डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने हिन्दू सामाजिक व्यवस्था का बहुत गहराई से तार्किक विश्लेषण किया था और उनका मानना था कि समाज का हिन्दूवादी दृष्टिकोण पुरातनवादी है| जिसके कारण भारतीय सामाजिक व्यवस्था में वंचित, शोषित वर्गों एवं स्त्रियों का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं था सामाजिक न्याय के संप्रत्यय को स्थापित करके उन्होंने समाज में समानता को स्थापित करने का पुरजोर प्रयास किया | डॉ. भीम राव अम्बेडकर के विचार लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों पर आधारित थे| उनका विश्वास था कि लोकतांत्रिक भावना से ही समाज में सामाजिक न्याय स्थापित किया जा सकता है| समावेशन और सामूहिक शिक्षा पद्धति का समर्थन करते थे| डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने समानता और बंधुत्व की भावना के आधार पर भारत में समतामूलक समाज के नींव रखी और एक कल्याणकारी समाज का निर्माण किया| समाज का आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित समाज एवं महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार खोले उन्होंने माध्यमिक और उच्च माध्यमिक उच्च शिक्षा के द्वार सभी के लिए खोले एवं बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के लिए शिक्षा की पहुँच को सुनिश्चित किया | उनके इन प्रयासों

ने सम्पूर्ण समाज को विकास एवं उच्च मानवीय मूल्यों की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया एवं शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश से वंचित हो रहे नागरिकों की शिक्षा का उत्तरदायित्व का संवैधानिक प्रावधान सरकार को दिया ताकि कोई भी व्यक्ति को गुणवत्तायुक्त शिक्षा से वंचित न रहे और सभी को सस्ती और सुलभ शिक्षा प्राप्त हो सके| शिक्षक प्रशिक्षु डॉ. भीम राव अम्बेडकर के आर्थिक और पर्यावरणीय विचारों के प्रति बहुत कम परिचित है, जो कि विचारणीय विषय है| डॉ. भीम राव अम्बेडकर के आर्थिक और पर्यावरणीय क्षेत्रों में उनके द्वारा किए गए कार्य स्मरणीय है|

डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एवं समाज में उन्हें पुरुषों के समान अधिकार प्रदान करने के लिए हिन्दू कोड बिल प्रस्तावित किया, एवं समान कार्य के लिए समान वेतन का प्रावधान भी किया जिससे की महिलाओं की आर्थिक स्थिति को दृढ़ किया जा सके| डॉ. भीम राव अम्बेडकर का मानना था कि जब तक भारतीय समाज आर्थिक में समानता के साथ सामाजिक समानता स्थापित नहीं हो जाती तब तक समाज का सम्पूर्ण विकास नहीं हो सकता| उन्होंने भारतीय रुपये से सम्बन्धित पुस्तकें लिखी जिसमें उन्होंने भारतीय मुद्रा से सम्बन्धित समस्याओं और समस्याओं से सम्बंधित निवारण हेतु उपायों का वर्णन किया है| उन्होंने मुद्रा के मूल्यों में स्थिरता हेतु स्वर्ण प्रतिमान पर जोर दिया| डॉ. भीम राव अम्बेडकर एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री भी थे उनके आर्थिक सिद्धांतों के परिणामस्वरूप भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की गयी| उन्होंने कृषि के क्षेत्र में भी अपने विचार प्रस्तुत किए उनका मानना था कि भारत की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है लेकिन भारतीय कृषि में कई समस्याएं व्याप्त है जैसे भूमि का असमान वितरण, छोटी जोतों की समस्या, उनका मानना था कि आर्थिक असमानता ही सामाजिक असमानता को जन्म देती है और भारतीय समाज में सामाजिक और आर्थिक असमानता व्याप्त है | डॉ. भीम राव अम्बेडकर इन असमानताओं को समाप्त करने के लिए सदैव प्रयासरत् रहे| उनका पर्यावरणीय दृष्टिकोण समानता एवं लोकतांत्रिक के संप्रत्यय पर आधारित था वह प्राकृतिक संसाधनों का वितरण समान रूप से करने के लिए सदैव ही प्रयासरत् रहे क्योंकि वह स्वयं अपने जीवन में प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से वंचित रहे अतः वे प्राकृतिक संसाधनों की जीवन में महत्वता को समझते थे| क्योंकि तत्कालीन समय में प्राकृतिक संसाधनों पर वंचित समुदाय का कोई अधिकार नहीं था एवं जल जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए भी उन्हें उच्च वर्गों पर निर्भर रहना पड़ता था| अतः उन्होंने जल, भूमि, गाँव के विषय में अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए है| भारत में पहली जल नीति लाने वाले डॉ. भीम राव अम्बेडकर ही थे उनका मानना था ये योजनाएं सभी को सतत् बिजली, स्वच्छ पानी, रोजगार और यातायात के साधन की उपलब्धता कराएगी साथ ही योजनाएं कमजोर वर्गों के लोगो के लिए सशक्तिकरण के लिए कार्य करेगी| शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा सामाजिक विचारों के अंतर्गत वर्तमान सामाजिक न्याय को विपरीत भेदभाव के

सन्दर्भ में स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है| डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने पिछड़े वर्गों एवं महिलाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए संवैधानिक प्रावधान किए जिससे भारतीय समाज में सामाजिक एवं शैक्षिक समानता स्थापित हो सके| किन्तु वर्तमान समय में सामान्य वर्ग को भी इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है जिसे छात्र प्रशिक्षु विपरीत भेदभाव के रूप में परिभाषित करने का प्रयास करते हैं| शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा उन्हें युग पुरुष एवं सामाजिक न्याय का प्रतीक के रूप में परिभाषित किया गया है एवं समाज के प्रत्येक वर्ग एवं व्यक्ति के लिए उनको प्रेरणा स्रोत माना है| क्योंकि उन्होंने जटिल परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा नहीं छोड़ी और शिक्षा के माध्यम से ही अपने समाज एवं देश के उत्थान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, उनके इन्हीं प्रयासों ने उन्हें भारतीय समाज में एक समाज सुधारक के रूप में प्रतिष्ठा दिलाई|

निष्कर्ष

डॉ. भीम राव अम्बेडकर प्रखर विचारक थे उन्होंने सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है| डॉ. भीम राव अम्बेडकर के कार्यों को सामाजिक, आर्थिक कार्यों के परिप्रेक्ष्य को देखा जाता है लेकिन उनके पर्यावरणीय विचारों को समाज में अनदेखा किया गया है | वह एक दूरदर्शी विचारक थे एवं उनका दृष्टिकोण विश्लेषणात्मक था इसीलिए सभी क्षेत्रों में उनकी नीतियों और विचारों की प्रसांगिकता उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी की 20वीं सदी में थी| लेकिन छात्र प्रशिक्षुओं का उनके प्रति दृष्टिकोण सिर्फ संविधान निर्माता के रूप एवं वंचित वर्गों के उद्धारक के रूप में और छुआछूत समाप्त करने वाले नेता के रूप में ही समझते है शिक्षक प्रशिक्षु उनके द्वारा किये गए कार्यों से एवं उनके विचारों से उतने परिचित नहीं है जितना उनको होना चाहिए| छात्र प्रशिक्षु डॉ. भीम राव अम्बेडकर को सिर्फ समाज सुधारक एवं शैक्षिक दार्शनिक के रूप में जानते है इसीलिए इन्हीं क्षेत्रों से सम्बंधित विचारों को अधिक प्राथमिकता देते है न कि आर्थिक और पर्यावरणीय, डॉ. भीम राव अम्बेडकर के सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक आदि विचार भारतीय संविधान में समाहित है, लेकिन उनके पर्यावरणीय विचारों को भारतीय समाज में उतनी प्राथमिकता नहीं मिली है | उनके सभी विचारों एवं शोधों से शिक्षक प्रशिक्षुओं को अवगत होना चाहिए जिससे कि भारतीय समाज में व्याप्त समस्याओं का समाधान खोजने में सहायक सिद्ध हो सकें | डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने भारतीय समाज के नव निर्माण में एक अग्रदूत के रूप में कार्य किया|

सन्दर्भ सूची- .

1. Bragta, K. S. (2021). Dr. Bhim Rao Ambedkar's Views on Social Justice: *An Appraisal. Technium Social Sciences Journal.* 25. 01- 15

2. Gadekar.S.S.(2019).Dr. B.R. Ambedkar Educational contributions in the reconstruction of modern Indian society. *International Journal of Humanities and Social Science Studies*, 6(6), 95- 101
3. Jha, M.K. (2018) Dr. B.R. Ambedkar's contribution to Education. *An Appraisal International Journal of Humanities and Social Science Research*, 6(1) 7-14
4. कीर, डी. (2022). *डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर जीवन चरित*, आस्मिता मोहिते पाप्युलर प्रकाशन प्र0लि0 महालक्ष्मी चेम्बर्स भुलाभाई देसाई रोड मुंबई 5(1), ISBN 978-81-7991-876-0
5. Kumar, P. (2021). "Social Justice: An Origin of Perspective and Ambedkar Notion of Social Justice". *World Focus*, 400, April, Special Issue on Dr. B.R Ambedkar and Social Justice.
6. Kumar, V. (2013). Ambedkar on Education and Emancipation, *Journal of Indian Education* 39(4) 98-109
7. Nithiya, p. (2012). Ambedkar's Vision on the Empowerment of Dalit Education. *International Journal of Multidisciplinary Research*,1(2). Pp 47-50, ISSN 2277-7881
8. Mahto, S.K.& Mahto R.(202) बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर के शिक्षा के तथ्यों का प्रस्तुतीकरण एवं विश्लेषण, *Journal of Advance and Scholarly Researches Allied Education* 5(18) ISSN – 2230-7540
9. Mane,S.(2017). The Educational Ideas of Dr. B.R. Ambedkar, *ISOR Journal of Humanities Social Science* 22(3) , Pp19-24
10. मीना, एम.(2017).*अम्बेडकर हाशियाकृत समाज के शिक्षाशास्त्री*. फॉरवर्ड प्रेस.
11. मौर्य, आर. एंड कुमार, के. (2019). *डॉ. भीम राव अम्बेडकर के सामाजिक-आर्थिक विचार.* 8(8), Pp 1-11 ISSN 2249-894X.
12. सरिता सिंह और अनिल कुमार नागर 2023 डॉ. भीम राव अम्बेडकर के आर्थिक चिंतन का विश्लेषणात्मक अध्ययन international journal of research in academic world issn:2583-1615 pp 31-33
13. Sirswal, Desh Raj. (2011). Dr. Ambedkar ka Shiksha Darshan(Hindi). Himprastha. Year 57. pp.55-56.
14. Sutradhar, Narayan. (2023). Dr. B. R. Ambedkar's Struggle for Social Change in India. 04. 2499-2502.
15. Striving to F,ullfill Ambedker's Dream of Quality Education, **Times of India,** 10 December 2021
16. तिरदिया, एच. एंड कटारिया, ए.(2022) *डॉ. भीमराव अम्बेडकर का शिक्षा दर्शन,* अपनी माटी. (39) ISSN 2322-0724
17. Yadavall, R.(2015) Ambedkarv= Visionof Education for Social Transformation. *Journal of Education and Practice*,6(5) 49-55
18. Yadav, A. S.(2019). डॉ.भीम राव अम्बेडकर के सामाजिक और शैक्षिक विचारों का अध्ययन, *Journal of advances and scholarly researches in allied education*, 16(4) 1709-1711 ISSN 2230-7540
19. Vejendala, Ravikumar. (2016). History of Indian Environmental Movement: A Study of Dr B.R. Ambedkar from the Perspective of Access to Water. Contemporary Voice of Dalit. 8. 10.1177/2455328X16662371

20. Kumar, P. (2021). "Social Justice: An Origin of Perspective and Ambedkar Notion of Social Justice". *World Focus*, 400, April, Special Issue on Dr. B.R Ambedkar and Social Justice.
21. https://sabrangindia-in.cdn.ampproject.org/v/s/sabrangindia.in/ambedkar-and-environmental-tradition
22. https://www.downtoearth.org.in/environment/climatic-crises-can-be-handled-by-ambedkarite-principles-like-democratic-governance-moral-spiritual-humanism-v-m-ravi-kumar-95551